भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3318
7 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

दूर-दराज़ के इलाकों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मज़बूत करना

3318. श्री चिंतामणि महाराजः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या छत्तीसगढ़ में, सरगुजा जिले सहित, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत लाभार्थियों, उपचार और अस्पताल में भर्ती होने के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या केंद्रीय सरकार द्वारा राज्य के जनजातीय और दूर-दराज के क्षेत्रों जैसे सरगुजा जिले में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं, जांच, नैदानिक सेवाओं और स्वास्थ्य बीमा कवरेज को सुदृढ़ करने के लिए कोई विशेष कदम उठाए गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और उन्हें एकीकृत करने के लिए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) और अन्य डिजिटल स्वास्थ्य पहलों के तहत क्या प्रगति की गई है; और
(घ) देश के जनजातीय और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में सुधार लाने, लाभार्थियों के लिए जेब से होने वाले स्वास्थ्य खर्च को कम करने और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करने की दिशा में इस योजना की प्रमुख उपलब्धियां क्या हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): सरगुजा जिले सहित, छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राज्य में निर्मित आयुष्मान कार्डों की संख्या वित्त वर्ष 2018-19 में 3.18 लाख थी जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 14.52 लाख हो गई है। इसी अवधि में योजना के अंतर्गत अधिकृत अस्पतालों में अधिकृत की गई भर्तियों की संख्या 3.42 लाख से बढ़कर 15.22 लाख हो गई है, जो पात्र लाभार्थियों के बीच योजना की बढ़ती पहुँच एवं उपयोग को दर्शाती है।

दिनांक 31.07.2026 की स्थिति के अनुसार, राज्य में कुल 2.47 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिनमें से 8.49 लाख आयुष्मान कार्ड सरगुजा जिले में बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, छत्तीसगढ़ स्थित

अस्पतालों में कुल 93.17 लाख भर्तियों को अधिकृत किया गया जिनमें से 2.93 लाख भर्तियों सरगुजा जिले में अधिकृत की गई हैं।

(ख): राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत देश में 1.86 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) (जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य में 5,898 तथा सरगुजा जिले में 218 आयुष्मान आरोग्य मंदिर शामिल हैं) के माध्यम से उप-स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को सुदृढ़ बनाकर व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। ये आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, संचारी रोगों, गैर-संचारी रोगों तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं सहित विस्तारित स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत निवारक, संवर्धनात्मक, पुनर्वास एवं उपचार संबंधी सेवाएँ उपलब्ध कराते हैं।

(ग): भारत सरकार द्वारा सितंबर, 2021 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) का शुभारंभ एकीकृत एवं नागरिक-केंद्रित राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य ईकोसिस्टम विकसित करने के उद्देश्य से किया गया था। एबी-पीएमजेएवाई, नि-क्षय, प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य तथा गैर-संचारी रोग संबंधी कार्यक्रम सहित अनेक राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्लेटफॉर्मों को एबीडीएम के साथ एकीकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सरकारी एवं निजी अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणालियों को भी एबीडीएम के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे इन प्रणालियों के माध्यम से आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (एबीएचए) बनाया जाना तथा डिजिटल स्वास्थ्य अभिलेखों का निर्माण एवं आदान-प्रदान संभव हो सका है, जिससे पूरे ईकोसिस्टम में निर्बाध अंतर-संचालन सुनिश्चित हो सके। दिनांक 31.07.2026 की स्थिति के अनुसार, देश में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की प्रगति निम्नानुसार हैः

- नागरिकों के लिए सृजित एबीएचए– 95.99 करोड़
- नागरिकों के एबीएचए से संबद्ध स्वास्थ्य अभिलेख – 107.55 करोड़
- स्वास्थ्य सेवा पेशेवर रजिस्ट्री में सत्यापित स्वास्थ्य सेवा पेशेवर – 10.33 लाख
- स्वास्थ्य सुविधा केंद्र रजिस्ट्री में सत्यापित स्वास्थ्य सुविधा केंद्र – 5.40 लाख
- एबीडीएम-सक्षम सॉफ्टवेयर का उपयोग करने वाले स्वास्थ्य सुविधा केंद्र– 2.76 लाख

(घ): आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) से देशभर में पैनलबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से पात्र लाभार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण मध्यम एवं विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। दिनांक 31.07.2026 की स्थिति के अनुसार, योजना के अंतर्गत देशभर में कुल 38,374 अस्पताल पैनलबद्ध किए जा चुके हैं।

इसके अतिरिक्त, योजना के अंतर्गत, अस्पतालों में 12.69 करोड़ से अधिक भर्तियों को प्राधिकृत किया जा चुका है, जिनका कुल व्यय 1.92 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। इससे पात्र लाभार्थी योजना के अंतर्गत कैशलेस उपचार की सुविधा प्राप्त कर रहे है।

******